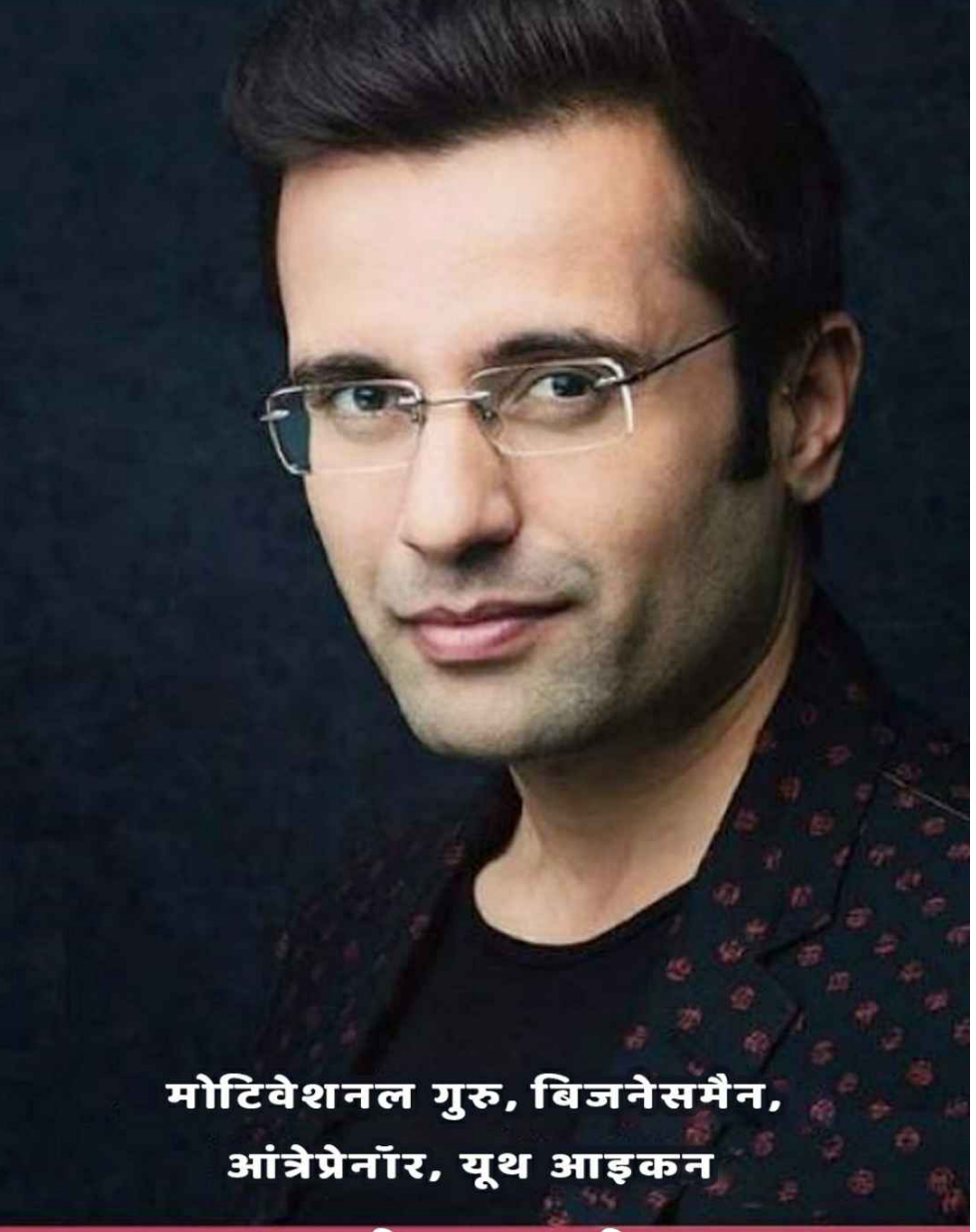

मोटिवेशनल गुरु, बिजनेसमैन,
आंत्रेप्रेनॉर, यूथ आइकन

अ सेल्फमेड मिलिनेयर

संदीप माहेश्वरी

अ सेल्फमेड मिलेनियर

संदीप माहेश्वरी

मोटिवेशनल गुरु, बिजनेसमैन, अंट्रेप्रेन्योर

मार्च 2019

-साहित्य चिंतन

विषय-सूची

प्रस्तावना

जीवन - परिचय

जीवन में मिली सबसे बड़ी असफलता

सफलता का राज

वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम

मुख्य उपलब्धियाँ

प्रेरणा से भरी किताबें (संदीप जी के अनुसार)

प्रेरणा से भरे वीडियोज (संदीप जी के अनुसार)

संदीपजी के सेमिनार के कुछ वीडियोज (जो सबसे ज्यादा पसंद किये गए)

प्रेरणा से भरे उनके कुछ विचार

प्रस्तावना

संदीप माहेश्वरी लाखों में एक ऐसा नाम है जिन्होंने सफलता, खुशी और संतोष की तलाश में संघर्ष किया, असफल रहे और आगे बढ़े। किसी भी अन्य मध्यम वर्ग के लड़के की तरह, उनमें भी अस्पष्ट सपनें थे और जीवन में अपने लक्ष्यों की एक धुंधली दृष्टि थी। उनके पास अगर कुछ था तो सिर्फ सीखने की तीव्र इच्छा थी। जीवन में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए, यही वह समय था जिसने उन्हें जीवन का सही अर्थ समझाया और सिखाया। और जब एक बार उन्हें अपने लक्ष्य का पता चला, वो लगातार अपने आराम क्षेत्र (कम्फर्ट जोन) से बाहर आते गए और अपनी सफलता के रहस्य को पूरी दुनिया के साथ साझा करते गए। लोगों की मदद करने और समाज के लिए कुछ अच्छा करने की इसी इच्छा ने उन्हें "फ्री लाइफ-चेंजिंग सेमिनार और सत्र" के रूप में लोगों के जीवन को बदलने की पहल करने के लिए प्रेरित किया। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि लोग उनके साथ जुड़ते गए और 'शेयरिंग' के उनके मिशन को अब लाखों लोगों द्वारा सक्रिय रूप से प्रचारित और अभ्यास किया जा रहा है। यही उनका परिश्रमी रवैया, उनके परिवार का समर्थन और उनकी टीम का विश्वास है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

संदीपजी ने एकल रूप से इस प्रतिमान को मॉडलिंग की दुनिया में लेकर आये हैं जहाँ अनगिनत मॉडल को बिना किसी शोषण और उत्पीड़न के सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह उनका जीवन-परिवर्तन का प्रयास था जिसने उन्हें 29 साल की छोटी उम्र में भारत के सबसे प्रसिद्ध उद्यमियों में से एक बना दिया। उनकी नैतिकता 'टू नेवर फियर ऑफ फेल्योर' और ‘स्वयं और दूसरों के लिए सच्चा बनें’ के रूप में प्रतिध्वनित हुई। एक सफल उद्यमी होने के अलावा, वो एक मार्गदर्शक, एक संरक्षक, एक रोल मॉडल और दुनिया भर के लाखों युवाओं के लिए एक ‘आइकन’ है। लोग उनका अनुसरण करते हैं और उन्हें अपना जीवन ‘आसान’ बनाने में लोगों की मदद करने के इस महान मिशन के लिए प्यार करते हैं। ईश्वरीय शक्ति में उनका अटूट विश्वास उन्हें लगातार और आगे बढ़ने की ताकत देता है। सफलता के इस मुकाम पर आने के बाद यह जानकर काफी हैरानी होती है कि पैसा उन्हें लुभाता नहीं है और यही कारण है कि लाभ से उनका संगठन नहीं चलता है। यह उनकी कंपनी में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ एक भावनात्मक संबंध है जो उनके लिए मायने रखता है। एक पूरे नए उद्योग या संगठन के निर्माण में सक्षम होते हुए, वो अपने स्व-निर्मित बेंचमार्क का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कहता है, "यदि आपके पास ज़रूरत से ज़्यादा है, तो बस इसे उन लोगों के साथ साझा करें जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।"

अपनी उम्र और कद के किसी भी व्यक्ति की तुलना में पूरी तरह से अलग आभा के साथ, वो भेड़चाल की दौड़ से ऊपर उठ गया और अपने सरल मंत्र 'आसन है' के साथ 'जीवन कठिन है' के मिथक से टूट गया। और इस जड़ समाधान से बाहर कई जमीनी हकीकतों को तोड़ दिया, जैसे कि, 'पैसा पेड़ पर लगता है', 'सफलता सिर्फ मेहनत करने के बारे में नहीं है' और सबसे दिलचस्प 'कहना आसान है, लेकिन करना उससे भी ज्यादा आसान' संदीपजी का मानना है कि चाहे आप एक रुपये से शुरू करें या एक लाख से, महत्वपूर्ण बात यह है कि शुरुआत करें और वह भी अपने पैसे से। उनकी दृष्टि कल के नेताओं की उद्यमशीलता की भावना को प्रज्वलित करने, प्रेरित करने और उन्हें सफल बनाने में मदद करने के लिए हमेशा आगे है। और अधिक जानकारी आप उनकी ऑफिसियल वेबसाइट पर देख सकते हैं - https://www.sandeepmaheshwari.com

जीवन - परिचय

जब कोई साधारण इंसान कुछ बड़ा करता है तो अपने आप ही वो आम लोगों के लिए प्रेरणा का एक स्रोत बन जाता है, क्योंकि उसे देखकर लगता है ये तो बिलकुल हमारी तरह का ही है और जब ये कर सकता है तो हम क्यों नहीं? संदीप मध्यमवर्गीय परिवार का एक आम सा लड़का जिसने कुछ बड़ा किया है और जो हमें भी अपनी जीवन में कुछ बड़ा करने की प्रेरणा देता है। दिल्ली का एक किराए के दो कमरे के छोटे से मकान में रहता था, जब बहुत छोटा था तब पड़ोस के एक बच्चे के पास लाल साइकिल देखकर मन मचल गया, पिता से साइकिल दिलाने की जिद्द की जवाब आया "मैं कोई टाटा–बिड़ला नहीं हूँ जो इसकी सारी फ़रमाइशें पूरी करता रहूँ।" माँ से पूछा, " ये टाटा-बिड़ला क्या होता है?" "ये ऐसे लोग होते हैं जिनके पास ढेर सारे पैसे होते हैं।", माँ ने पीछा छुड़ाते हुए कहा। बच्चे ने फैसला किया कि वो बड़ा होकर "टाटा-बिड़ला" बनेगा। मगर लोग उसका मजाक उड़ाने लगे, ये मजाक उड़ाना, बेइज्जती करना जारी रहा ये बातें संदीप के दिमाग में इतनी बैठ चुकी थीं कि उन्हें लगने लगा कि कहीं से 10-15 हज़ार की नौकरी मिल जाए वही बहुत है। जब संदीप 15-16 साल के थे तब उनके परिवार पर एक बड़ी मुसीबत आ गयी, उनके पिता का 20 साल पुराना एल्युमीनियम का व्यापार था, पार्टनर्स से हुई कुछ अनबन की वजह से बंद हो गया।

ये एक बड़ा संकट था, जब पैसा कम होता है तो परेशानियाँ बढ़ जाती हैं। संदीप का परिवार भी तमाम परेशानियों से जूझ रहा था। पिताजी भी अवसाद में रहने लगे। संदीप को लगा कि उन्हें कुछ करना चाहिए, वो परिवार के साथ मिल कर छोटे-मोटे काम करने लगे – एसटीडी पीसीओ चलाया, कॉल सेण्टर और दूसरी जगहों में इंटरव्यू दिया, हर जगह से असफलता हाथ लग रही थी हालत ऐसी हो चुकी थी कि सोचने लगे, कहीं से 8-10 हज़ार की नौकरी मिल जाये। फिर उनके जीवन में एक मोड़ आया, जब वे अठारह साल के थे तब किसी के बुलाने पर वे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के सेमिनार में गए। तीन घंटो में वहां उन्हें कुछ समझ नहीं आया लकिन अंत में जब एक लड़के ने स्टेज पे खड़े होकर बताया कि उसकी उम्र 21 साल है और वो महीने का ढाई लाख कमाता है तो उनके पैरों तले ज़मीन खिसक गयी। वे आश्चर्य में थे, उन्हें लगा जब इस 21 साल के लड़के के लिए महीने का ढाई लाख कमाना आसान है तो उनके लिए भी है, जब ये कर सकता है तो मैं भी कर सकता हूँ और अचानक इसने संदीप की लाइफ हमेशा-हमेशा के लिए बदल दी। संदीप उस कंपनी में जुड़कर उस काम में जी जान से जुट गए, पर सफल न हो पाये, एक बार फिर उन्हें असफलता ही मिली।

लेकिन इस बार की विफलता से वे निराश नहीं हुए। संदीप जल्द ही कुछ और करना चाहते थे, मन में आया की मॉडलिंग कर लेता हूँ। संदीप ने कॉलेज में इसकी शुरूआत की, थोड़ा जाना तो पता चला हर दूसरा आदमी मॉडल बनना चाहता है, संदीप यहाँ भी सफल ना हो पाए लेकिन इस फील्ड में जाना उनकी आगे आने वाली लाइफ को बदलने वाला था। संदीप मॉडलिंग वर्ल्ड की बहुत सारी बातें समझने लगे, अधिकतर मॉडलिंग एजेंसीज फ्रॉड थीं, जो मॉडल्स को सिर्फ शोषण कर रही थीं, तब संदीप के मन में आया कि मॉडल्स के लिए कुछ किया जाए, पर कैसे? ये समझ नहीं आ रहा था। फिर एक दिन उनका एक मॉडल दोस्त पोर्टफोलियो लेकर आया, उसकी फोटोज देखकर संदीप को बहुत ख़ुशी हुई। उसी क्षण उन्होंने फैसला कर लिया कि उन्हें फोटोग्राफी सीखनी है। साउथ दिल्ली में सिर्फ २ हफ़्तों का एक कोर्स किया और एक बढ़िया सा कैमरा खरीद कर शौकिया फोटोग्राफी करने लगे। पर इस फील्ड में भी पहले से बड़े बड़े फोटोग्राफर बैठे थे, कई लोग सालों का कोर्स करके बैठे थे और कुछ ख़ास नहीं कर पा रहे थे। संदीप के मन में एक आईडिया आया, वो अपने मॉडलिंग एक्सपीरियंस का यूज करते हुए एक लिस्ट बांटने लगे जिसमे जेन्युइन और फ्रॉड मॉडलिंग एजेंसीज के नाम थे। जब कुछ लोग जान गए तो संदीप ने पेपर में एक ऐड दिया जिसमे लिखा था कि “फ्री में पोर्टफोलियो बनवाएं” उन्हें इस काम में करीब 20 हज़ार का फायदा हुआ, जो उनकी पहली बड़ी कमाई थी और ये बात उन्होंने ने पोर्टफोलियो बनवाने वाले मॉडल्स को भी क्लियर बता दी। शायद इसलिए ही उनका कहना है “ज़िन्दगी में कभी भी कुछ करना है तो सच बोल दो, घुमा-फिरा के बात मत करो।” इसके बाद फोटोग्राफी का उनका काम कुछ चल पड़ा, महीने के 20-30 हज़ार आने लगे पर ग्रोथ नहीं हो रही थी। संदीप कहते हैं कि ,“फोटोग्राफी में सिर्फ काम नहीं बिकता नाम भी बिकता है” और अब उन्हें नाम करना था।

दिमाग में आया कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाए। जिससे सब लोग उनको जान जाएं। इसके लिए कम से कम 100 मॉडल्स होने चाहियें जिनकी 12 घंटे के अन्दर 10,000 फोटो खींचनी होगी वो भी सब अलग-अलग पोज में.. बहुत सी चुनौतियां आई - मॉडल्स को ढूंढ़ना, पैसों का इंतजाम, लेकिन अपनी धुन के पक्के संदीप माहेश्वरी के सामने एक भी टिक न सका। संदीप ने 2003 में 22 साल की उम्र में मे ये वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड रिकॉर्ड बन जाने से अब उनका नाम भी हो गया, आम लोग, मॉडल्स, एडवरटाइजिंग एजेंसीज सब उनको जानने लगे, उनकी टॉप की एजेंसी बन गयी, दो-दो ऑफिस खुल गए, खूब पैसे भी आने लगे पर संदीप खुश नहीं थे। एक बात उन्हें अभी भी परेशान कर रही थी, मॉडल्स का कुछ ख़ास नही हो रहा था,

पोर्टफोलियो बनवाने में वे इतने पैसे खर्च करते पर उन्हें काम नहीं मिलता। संदीप में उनकी हेल्प करने के लिए एक मैगज़ीन निकाली, वेबसाइट भी लांच की पर कुछ नहीं हुआ, संदीप परेशान थे। वो 2006 का साल था, संदीप के अन्दर मॉडल को हेल्प करने की एक बहुत बड़ी कोशिश की, सोचा चाहे जो हो जाए इनके लिए कुछ करना है! संदीप जी कहते हैं, "जब हम बोलते हैं आसान है और जवाब मांगते हैं तो जवाब मिल जाता है।"

एक दिन उनके ऑफिस में एक एड एजेंसी वाला आया, एक मॉडल की फोटो देखी और बोला, "हमारे पास शूट-वूट का टाइम नहीं है, हम इसी फोटो को स्केन करेंगे और सीधा ऐड में छाप देंगे और इसके हम बस ढाई हज़ार दे सकते हैं।" संदीप को और क्या चाहिए था, उनके मॉडल को एक ऐड में आने का मौका मिल रहा था और कुछ पैसे भी आ रहे थे। वे फ़ौरन तैयार हो गए और इस घटना से ही उनके दिमाग में इमेजेसबाज़ार का आईडिया आया। दरअसल, पहले क्या होता था कि अड़ एजेंसी किसी मॉडल का पोर्टफोलियो देखकर उसे सेलेक्ट करती थीं, फिर जैसा ऐड होता था उस हिसाब से शूटिंग- फोटो सेशंस वगैरह किये जाते थे, पर इस बार तो सीधे पोर्टफोलियो वाली फोटो ही सेलेक्ट कर ली गयी थी यानि अगर क्लाइंट्स को सीधे उनके ऐड के मुताबिक ही फोटो मिल जाये तो शूट करने में टाइम और पैसा खराब करना कौन चाहेगा और इसी सोच ने इंडियन फोटोज की सबसे बड़ी वेबसाइट इमेजेसबाज़ार को जन्म दिया और आज आप अखबारों, मैगजीन्स और बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स पर जितने भी एड देखते हैं, उनमे से कईयों में इमेजेसबाज़ार की फोटो ही काम में ली जाती है। यहाँ एक बात गौर करने की है, जब संदीप को ये आईडिया आया तो वो पहले से ही एक अच्छी पोजीशन में थे, फिर भी उन्होंने तुरंत अपने दोनों ऑफिस बंद कर दिए और अपना पूरा फोकस इमेजेसबाज़ार पर डाल दिया। लोगों ने उन्हें पागल कहा, पर संदीप अक्सर कहते हैं, "जब भी कुछ बड़ा होना होता है तो आपको पागल होना पड़ेगा।" और उन्होंने यही किया, इमेजेसबाज़ार के लिए वो दिन रात काम करने लगे और उसे अपनी सबसे बड़ी सक्सेस स्टोरी बना दी।

जीवन में मिली सबसे बड़ी असफलता

- फोटोग्राफी शुरू करने के कुछ दिनों बाद एक दोस्त ने संदीप को एक नई ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करने के लिए तैयार किया। डील ये थी कि वो दोस्त पैसा लगाएगा और संदीप सारा काम देखेंगे। दोस्त ने शुरू में तो पैसे लगाए पर बाद में पीछे हट गया। ऐसे में संदीप ने इधर-उधर से पैसे उधार लेकर 2-3 महीने जम कर इस इवेंट को सक्सेसफुल बनाने के लिए काम किया। 800 लोग इसमें आये, इवेंट बहुत सफल रहा, पर जब अंत में प्रॉफिट शेयर करने की बात आई तो वो दोस्त सारे पैसे लेकर गायब हो गया और फिर कभी नहीं मिला। ये एक बड़ा धक्का था, पर संदीप कहते हैं, "सक्सेस एक्सपीरियंस से आती है और एक्सपीरियंस बैड एक्सपीरियंस से" वो इससे जरा भी हताश नहीं हुए और घर जाकर खूब एन्जॉय किया कि चलो आज एक बहुत बड़ी सीख मिली है।

सीख - पहले फेलियर की वजह से संदीप को इवेंट मैनेज करने का कॉन्फिडेंस आ गया, जिस वजह से वो फोटोग्राफी से रिलेटेड अपना वर्ल्ड रिकॉर्ड बना पाए, जिसमे उन्होंने खुद ही सारा कुछ मैनेज किया, नहीं तो उन्हें किसी इवेंट मैनेजमेंट कम्पनी को हायर करना पड़ता जिसके लिए उनके पास पैसे नहीं थे।

- फोटोग्राफी में घुसने के कुछ दिन बाद भी संदीप 'जापान लाइफ' नाम की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से जुड़े हुए थे और तुक्के में उनके महीने के एक लाख रुपये भी आने लगे। पर यहाँ भी उन्हें लगा कि लोग ठगे जा रहे हैं, तो कुछ डाउन लाइन के लोगों के साथ मिलकर एक दूसरी नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी शुरू की। इसमें खूब लग कर काम किया, सॉफ्टवेयर बनवाना, ऑपरेशन्स मैनेज करना, सबकुछ किया और शुरू में सब सही चला, 6 महीनो में 1100 लोगों ने ज्वाइन भी कर लिया पर उसके बाद पार्टनर्स में हुई किसी मतभेद की वजह से कम्पनी बंद हो गयी। संदीप ने इसमें काफी पैसा लगा दिया था और अब जापान लाइफ भी नही थी और यहाँ भी कुछ नहीं था, एक बार फिर उनके पास कुछ नहीं था।

सीख - दुसरा, नेटवर्क मार्केटिंग वाला फेलियर न होता तो इमेजेसबाजार ही नहीं बन पाती क्योंकि, अपनी नेटवर्क मार्केटिंग कम्पनी बनाने की वजह से उन्हें सॉफ्टवेयर का नॉलेज हो गया और अगर ये नॉलेज ना होता तो वो इमेजेसबाज़ार की कल्पना भी नहीं कर पाते।

- जब संदीप मल्टीनेशनल नेटवर्क कंपनी में भी फेल हो गए और अभी फोटोग्राफी में भी स्ट्रगल चल रहा था तभी संदीप के दिमाग में आया कि

मार्केटिंग पर एक बुक लिखी जाए और लगभग 20 साल की उम्र में उन्होंने एक बुक लिख डाली। इसकी आनोखी बात ये थी कि इसे आगे से नहीं पीछे से पढना था। पर इसे खरीदने में किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई, 1000 में से करीब 150 कॉपीज ही बिकीं और बाकी 850 को माँ ने कबाड़ वाले को बेच दिया।

सीख - तीसरे फेलियर, जिसमे उनकी बुक फ्लॉप हो गयी, उसके लिए संदीप कहते हैं कि, "आज मैं जो कुछ भी कर रहा हूँ इस बुक की वजह से ही कर रहा हूँ", दरअसल इस बुक को लिखने के चक्कर में उन्होंने इतनी सारी बुक्स पढ़ डालीं कि उनका माइंड बहुत ब्रॉड हो गया, और वो बिजनेस रिलेटेड या और भी कई तरह की प्रोब्लम्स को बड़ी आसानी से हल कर लेते हैं।

❖ पर क्या ये फेलियर सचमुच इतने बुरे थे?

संदीप कहते हैं कि - मैं सिर्फ गुड लक को मानता हूँ, बेड लक नाम की इस दुनिया में कोई चीज नहीं, क्योंकि जो होता है अच्छे के लिए होता है। इसका मतलब हमारे साथ कुछ बुरा भी हो रहा है तो बुरा लग रहा है बुरा है नहीं, आज बुरा लग रहा है आगे आने वाले टाइम में पता चलता है कि वो भी अच्छे के लिए ही हुआ है और यही सीख हमें संदीप के इन तीन बड़े फेलियर से मिलती है।

सफलता का राज

संदीप की सफलता का सबसे बड़ा राज सिर्फ दो शब्दों में छिपा है - 'आसान है' जिसका इस्तेमाल वे अक्सर कई जगह करते हैं, वे किसी भी चीज को मुश्किल नहीं मानते, चाहे चुनौतियाँ बड़ी हों या छोटी, हर बार वो यही सोचते हैं कि ये 'आसान है' और सचमुच वो उनके लिए आसान बन जाता है और यही सलाह वो हर इंसान को देते हैं, उनका कहना है कि अगर किसी को उनसे सिर्फ और सिर्फ एक चीज सीखनी है तो वो है 'आसान है' का सूत्र।

वो कहते हैं - अपनी जीवन की छोटी से छोटी या बड़ी से बड़ी प्रोब्लम्स, उन सबमे जा कर के इन दो शब्दों को चिपका दो, अंदर से जिस दिन आवाज आने लग गयी ना - 'आसान है' उस दिन सबकुछ, सबकुछ सच मे आसान हो जाएगा और यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा सीक्रेट है - 'आसान है' इसकी पॉवर को हल्के में मत लो... इसने मेरी ज़िन्दगी बदली है!

- ❖ क्या कोई भी कुछ भी कर सकता है? - 'अगर मेरे जैसा लड़का जो दब्बू था...जो शर्माता था...वो अगर स्टेज पे आकर बोल सकता है तो दुनिया का कोई भी आदमी कुछ भी कर सकता है।' संदीप मानते हैं कि 'कामयाब होना कोई बड़ों का खेल नहीं... ये बच्चों का खेल है...और अगर तुम मान लो कि सक्सेसफुल होना बच्चों का खेल है तो क्या होगा... सक्सेसफुल हो जाओगे..."

- ❖ हम जो करना चाहते हैं पर डर लगता है कि लोग क्या कहेंगे?

संदीप - 'वो क्या सोचेगा...ये मत सोचो...वो भी यही सोच रहा है। पहले लोग मुझसे कहते थे ...ये ले दस रुपये और मेरी फोटो खींच दो...अगर मैं यही सोचता कि लोग क्या कहेंगे तो मैं आज यहाँ नहीं होता.. दुनिया का सबसे बड़ा रोग क्या कहेंगे लोग!'

- ❖ आपके लिए सफलता का क्या मतलब है?

संदीप - 'सफलता की सिर्फ एक ही परिभाषा है मेरे लिए, शेयर करो....दिल से शेयर करो...सबके साथ शेयर करो...'

- ❖ आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या है?

संदीप- 'एक बार एक बच्चे की फोटो प्रिंट हुई, मुझे इस बारे में पता भी नहीं था, उसकी माँ आई, उनकी आँखों में आंसू थे, मुझसे बोलीं , थैंक यू...यही मेरी सबसे बड़ी सक्सेस है।'

वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम

यह वर्ष 2003 था। इमेजेस बाजार एक लेवल पर आकर रुक गया क्योंकि उनका नाम नहीं था वो इतने प्रसिद्ध नहीं थे। तब उन्होंने सोचा कि नाम कमाने के लिए कुछ करना होगा और ढूंढ़ने लगे कोई ऐसा काम जिससे उनका नाम हो, तब उन्होंने सोचा, एक रिकॉर्ड बनाया जाए - इंडिया लेवल पर नहीं वर्ल्ड लेवल पर, फोटोग्राफी में। तब उन्होंने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में चेक किया और वहां से उन्हें आईडिया आया कि एक फोटो सेशन करना होगा जिसमें 100 से ऊपर मॉडल्स होंगे जिनकी 12 घंटे के अंदर 10000 फोटो लगातार लेना होगा जो की सारी अलग-अलग होगी, तब रिकॉर्ड टूटेगा।

तब उन्होंने केवल 10 घंटे और 45 मिनट में 122 मॉडलों के 10,000 से अधिक शॉट्स लेने का एक विश्व रिकॉर्ड बनाया। लेकिन उम्मीद के मुताबिक, वह नहीं रुके। उनका ध्यान उस ग्लैमर और प्रसिद्धि से नहीं डगमगाया जो उन्हें मिला थी। बल्कि, इसने उनकी जन्मजात इच्छा को आगे बढ़ाते हुए मॉडलिंग की दुनिया को फिर से नया बनाने की इच्छा को जन्म दिया। 26 साल की उम्र में उन्होंने 'इमेजेसबाज़ार' (जो कि इमेजेस स्टॉक करने की एक वेबसाइट है) को लॉन्च किया।

मुख्य उपलब्धियाँ

संदीपजी ने अपने जीवन में काफी कुछ हासिल किया, जिससे उनका नाम आज पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, उनकी इसी काबिलियत के कारण उन्हें पूरी दुनिया में सराहा गया है और बहुत सारे पुरस्कार दिए गए हैं जो कि निम्नलिखित हैं -

- ❖ एंटरप्रेन्योर इंडिया समिट द्वारा वर्ष 2013 का 'क्रिएटिव एंटरप्रेन्योर'
- ❖ "बिज़नेस वर्ल्ड" पत्रिका द्वारा भारत के सबसे प्रमुख उद्यमियों में से एक
- ❖ ग्लोबल यूथ मार्केटिंग फ़ोरम द्वारा स्थापित 'स्टार यूथ अचीवर अवार्ड'
- ❖ ब्रिटिश काउंसिल (ब्रिटिश उच्चायोग का एक प्रभाग) द्वारा 'युवा रचनात्मक उद्यमी' पुरस्कार
- ❖ "ईटी नाउ" टेलीविजन चैनल द्वारा "कल का पायोनियर" पुरस्कार

इसके अलावा, उनके बारे में प्रतिष्ठित, अखबारों, मैगजीन, टेलीविजन चैनलों में भी दिखाया गया है, जैसे - द इकोनॉमिक टाइम्स, इंडिया टुडे, सीएनबीसी - टीवी 18, आई बी एन 7, ईटी नाउ, न्यूज़ एक्स आदि।

प्रेरणा से भरी किताबें (संदीपजी के अनुसार)

संदीप जी को किताबों से काफी लगाव है और यह भी कह सकते हैं कि उन्होंने किताबों से बहुत कुछ सीखा है। निम्नलिखित ऐसी किताबें हैं जिन्होंने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया है और उनके अनुसार यह सबसे ज्यादा प्रेरणा देने वाली किताबें हैं जो कि आपको आसानी से बाजार में मिल सकती है इन्हें एक बार पढ़िएगा जरूर -

- ❖ 'मेरा चीज किसने हटाया?'- स्पेंसर जॉनसन द्वारा (मेरे सर्वकालिक पसंदीदा में से एक। मुझे यकीन है कि आप भी इसे पसंद करेंगे!) - https://amzn.to/2U2F3tm
- ❖ 'द मैजिक ऑफ थिंकिंग बिग' बाय डेविड जे. श्वार्ट्ज (आपको लगता है कि आप कर सकते हैं या आपको लगता है कि आप नहीं कर सकते, दोनों में आप सही हैं!) - https://amzn.to/2utwTL3
- ❖ 'सोचो और अमीर बनो' बाय नेपोलियन हिल (निस्संदेह, भौतिकवादी दुनिया में सफल बनने के लिए लिखी गई सबसे अच्छी पुस्तक!) - https://amzn.to/2Yl6mgS
- ❖ नॉर्मन विंसेंट पील द्वारा 'सकारात्मक सोच की शक्ति' (संक्षेप में, हमारा जीवन हमारे सोचने के तरीके पर ही निर्भर करता है।) - https://amzn.to/2U7VX96
- ❖ डेल कार्नेगी द्वारा 'दोस्तों को कैसे जीतें और लोगों को प्रभावित कैसे करें (नाम से सब कुछ पता चलता है!) - https://amzn.to/2UVdJt6
- ❖ 'अत्यधिक प्रभाशावी लोगों की 7 आदतें' - स्टीफन आर. कोवी (यह कम से कम एक बार तो अभी पढ़ने लायक है।) - https://amzn.to/2FpDyuY
- ❖ एंथनी रॉबिंस द्वारा 'असीमित शक्ति' - https://amzn.to/2urUFqQ
- ❖ 'चिकन सूप फॉर द अनसिंकेबल सोल' - (मुस्कुराने और रुलाने वाली लघु कथाएँ।) - https://amzn.to/2ur1rNB
- ❖ 'मार्केटिंग मैनेजमेंट' बाय फिलिप कोटलर - (उनके लिए जो व्यवसाय में कुछ बड़ा करना चाहते हैं।) - https://amzn.to/2uqiNu1

❖ 'सी यू अट द टॉप' - जिग जिगलर (वास्तविक जीवन के उदाहरणों, प्रेरणादायक कहानियों और प्रेरक उद्धरणों से भरी) - https://amzn.to/2HSSMeE

❖ 'यू कैन हील योर लाइफ' बाय लुइस एल हे - https://amzn.to/2Wm8EKH

❖ 'फ्लो' : द साइकोलॉजी ऑफ ऑप्टिमल एक्सपीरियंस बाय मिहाली सिक्सजेंटमीहालई (सबसे अच्छी किताबों में से एक जो मैंने कभी पढ़ी है !!!) - https://amzn.to/2JDu196

❖ 'द अल्केमिस्ट' बाय पाउलो कोएल्हो (एक बार अगर आप इसे पढ़ना शुरू करते हैं, आप इसे खत्म किए बिना रुकेंगे नहीं) - https://amzn.to/2HOHAji

❖ 'जोनाथन लिविंग्स्टन सीगल' : अ स्टोरी बाय रिचर्ड बाच (एक कालातीत प्रेरणादायक कहानी!) - https://amzn.to/2JD2a8N

❖ 'श्रीमद भगवद गीता' "गीता प्रेस द्वारा संस्करण (आध्यात्मिक और भौतिकवादी दुनिया में सफलता के लिए अवश्य पढ़ें!) - https://amzn.to/2JHWKcK

❖ 'ताओ ते चिंग' - लाओ त्ज़ु (सरल, लेकिन बहुत गहरी, अंतिम सत्य के रास्ते पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण देती है।) - https://amzn.to/2HTaHBW

❖ 'ज्ञात की स्वतंत्रता' - जिद्दू कृष्णमूर्ति (अनंत संभावनाओं के लिए अपना दिमाग खोलें।) - https://amzn.to/2Ose1VT

❖ 'द होली बाइबल' (सभी के लिए अवश्य पढ़ें।) - https://amzn.to/2HRYOwj

❖ 'रुमी' - फारुख ढोंडी (दिल से दिल की बात।) - https://amzn.to/2Onx6sB

❖ 'अष्टवक्र गीता' - गीता प्रेस (केवल उन लोगों के लिए जो चेतना की बहुत उन्नत स्थिति में हैं।) - https://amzn.to/2JCKrhH

प्रेरणा से भरे वीडियोज (संदीपजी के अनुसार)

- ❖ डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जीवनी - गुलज़ार साब द्वारा - www.youtube.com/watch?v=LrdrcP2oiyU
- ❖ स्टीव जॉब्स 2005 स्टैनफोर्ड कमिशनमेंट एड्रेस - www.youtube.com/watch?v=UF8uR6Z6KLc
- ❖ इंस्पिरेशनल - हाउ ग्रेट आई एम - www.youtube.com/watch?v=V6xLYt265ZM
- ❖ डॉ. क्वांटम डबल स्लिट एक्सपेरिमेंट - www.youtube.com/watch?v=DfPeprQ7oGc
- ❖ लुक एट योरसेल्फ - निक वुजिक - www.youtube.com/watch?v=Gc4HGQHgeFE
- ❖ रेण्डी पोस्च लास्ट लेक्चर : अचीविंग योर चाइल्डहुड ड्रीम्स - www.youtube.com/watch?v=ji5_MqicxSo
- ❖ रमन महर्षि की आत्म विश्लेषण पर इंग्लिश ऑडियो बुक - (मैं कौन हूँ।) - www.youtube.com/watch?v=J2VcZWypI9c
- ❖ अ गिफ्ट ऑफ़ लव (दिल को छू लेने वाली रूमी की कविता) www.youtube.com/watch?v=X-idP23bHCg
- ❖ व्हाट इज थिंकिंग - जे. कृष्णामूर्ति (इंग्लिश में) www.youtube.com/watch?v=OxWPGkzG8Lk

संदीपजी के कुछ वीडियोज (जो सबसे ज्यादा पसंद किये गए)

संदीप जी ने काफी सारे सेमिनार लिए हैं जिन से लाखों युवाओं और अन्य लोगों का जीवन बदला है। वो अपने सेमिनार का कोई पैसा नहीं लेते हैं। निम्नलिखित ऐसे सेमिनार के वीडियो हैं, जिन्हें लोगों के द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया गया है -

- ❖ वर्ल्डस बेस्ट मोटिवेशनल वीडियो - बाय संदीप माहेश्वरी । हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=Sd-YsMs3OzA
- ❖ स्पीक इंग्लिश विथ कॉन्फिडेंस - बाय संदीप माहेश्वरी । हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=Y07dnUKwqyw
- ❖ लास्ट लाइफ चेंजिंग सेमिनार - बाय संदीप माहेश्वरी । हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=eDiA1p5DlLg
- ❖ द अनस्टोपेबल - बाय संदीप माहेश्वरी । मोटिवेशनल वीडियो हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=AV37vcRBPhs
- ❖ हाउ टू कंट्रोल योर माइंड? बाय संदीप माहेश्वरी । हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=7cZDRM28LgM
- ❖ व्हाट इस लव? बाय संदीप माहेश्वरी । हिंदी - https://www.youtube.com/watch?v=faku-uBEloU
- ❖ अकेले खुश रहना सीखो - बाय संदीप माहेश्वरी - https://www.youtube.com/watch?v=VPN9yPyKEqU
- ❖ बेस्ट मोटिवेशनल वीडियो फॉर स्टूडेंट्स - बाय संदीप माहेश्वरी । पॉवर ऑफ़ फोकस - https://www.youtube.com/watch?v=RwxC5J8LI4Q

- बेसिक मैडिटेशन सेशन - बाय संदीप माहेश्वरी । हाउ टू मेडिटेट फॉर बिगिनर्स । हिन्दी - https://www.youtube.com/watch?v=Kn4dK_kYUEo

- अडिक्शन टू एजुकेशन (पढ़ाई की लत) बाय संदीप माहेश्वरी - https://www.youtube.com/watch?v=R8OFOURSZZA

- 3 साइंस ऑफ़ टू लव - बाय संदीप माहेश्वरी - https://www.youtube.com/watch?v=s_1bFkC2tRY

- मस्त रहना सीखो - बाय संदीप माहेश्वरी - https://www.youtube.com/watch?v=JHKk4QXcUhk

प्रेरणा से भरे उनके कुछ विचार

संदीप जी ने अपने जीवन में कई विचार रखे हैं जिनसे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और उनके जीवन में कई बदलाव आए हैं, यह कुछ ऐसे विचार हैं जिनसे आपको कुछ बड़ा करने की प्रेरणा मिलेगी जिससे आप खुद के, परिवार के, देश के काम आ सकें और कुछ बड़ा मुकाम पा सकें -

- ❖ “आप जो कुछ भी चाहते हैं वह आपके अंदर ही है अपने अंदर देखिये, आपको मिल जाएगा।” - कोई भी आपके जीवन में कुछ हासिल करने में आपकी कोई मदद नहीं कर सकता इसके लिए आपको खुद उठना होगा आपके पास कुछ भी हासिल करने की अद्भुत शक्ति है।

- ❖ “सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग?” - कुछ भी काम करने से पहले यह ना सोचें कि लोग क्या कहेंगे? अगर मन से आवाज आ रही है तो उस काम को कर डालो।

- ❖ “ध्यान करना किसी तरह की यातना नहीं होना चाहिए, यह मजेदार होना चाहिए! कम से शुरुआत करें 5 से 10 मिनट रोज एक अच्छी शुरुआत है।” - ध्यान करना बहुत जरूरी है, इससे आपकी प्रेक्षण शक्ति, एकाग्रता बढ़ती है और हम अपने आप को और अच्छी तरह जान सकते हैं।

- ❖ “अच्छा बोलो, अच्छा सुनो, अच्छा देखो” - जीवन की हर परिस्थिति में चीजों को सकारात्मक ढंग से देखने की कोशिश करें।

- ❖ “सफलता मिलती है अनुभवों से और अनुभव मिलता है खराब अनुभव से” - हर असफलता आपको कुछ सिखाती है उसे सीखने की कोशिश करें।

- ❖ “बिना उद्देश्य के जीवन अर्थहीन है।” - जीवन का एक लक्ष्य बनाएं और उस पर काम करें, इससे आप अपनी ऊर्जा का उपयोग सही दिशा में कर सकते हैं।

- ❖ “कभी भी अपने आप को कम या छोटा मत समझिए, आप उससे भी बढ़कर है जितना आप सोचते हैं।” - जब भी आपका आत्मविश्वास कम होने लगता है उस समय अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को याद करें, आपको कुछ हिम्मत मिलेगी।

- ❖ “हमेशा याद रखिए आप अपनी समस्याओं से काफी बड़े हैं”